गणेशदत्त महाविद्यालय,बेगूसराय

संस्कृत विभाग

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOME (PG)

SEMESTER-1

CC1-विद्यार्थीगण वैदिक सूक्त के माध्यम से वैदिक देवताओं से परिचित होंगे और साथ ही निरूक्त के माध्यम से वेद के कठिन शब्दों को सुगमता से समझ सकेंगें।

CC2-दर्शनशास्त्र के अंतर्गत विद्यार्थीगण वेदांतसार,पतंजलि और सांख्यकारिका में समाहित गूढ़ दार्शनिक तत्वों से अवगत हो पाएंगें।

CC3- व्याकरण शास्त्र के अंतर्गत विद्यार्थीगण सिद्धांतकौमुदी के माध्यम से सुबन्त प्रकरण, हलन्त एवं भ्वादिगण के सूत्रों से अवगत हो सकेंगें और साथ ही महाभाष्य का ज्ञान भी उन्हें प्राप्त हो सकेगा।

CC4- काव्यशास्त्र के माध्यम से विद्यार्थीगण काव्य के लक्षण, प्रयोजन,हेतु,अलंकार आदि लक्षणों से परिचित हो सकेंगें।

SEMESTER-2

CC5- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण भाषा विज्ञान के अंतर्गत भाषा का वर्गीकरण, सिद्धांत,उत्पत्ति, परिभाषा,ध्वनि परिवर्तन, ध्वनि नियम, और अर्थविज्ञान के सिद्धांत आदि से अवगत हो पाएंगें।

CC6- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण मेघदूत गीतिकाव्य के माध्यम से पर्यावरण के सौंदर्य, अश्वघोष द्वारा विरचित बुद्धचरित महाभाष्य के द्वारा बुद्ध के जन्म आदि ज्ञान से अवगत हो पाएंगें।

CC7- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण चारों वेद, वेदांगों, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वैदिक विद्वानों का परिचय प्राप्त कर सकेंगें साथ ही वैदिक निबंध ब्रह्मसत्य जगत मिथ्या,आत्मा वा अरे द्रष्टव्या आदि वैदिक निबंधों से परिचित हो सकेंगें।

CC8- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण कादंबरी एवं बाणभट्ट की उत्कृष्ट काव्य कला से अवगत हो पाएंगे और साथ ही हर्षचरित के माध्यम से राजा श्रीहर्ष के जीवन परिचय,उनके कार्यकाल,कर्तव्य आदि से परिचित हो सकेंगें।

CC9- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण नाटक रूपकों के अन्य विधाओं से परिचित हो सकेंगे साथ ही मुद्राराक्षस के माध्यम से चाणक्य के कूटनीति एवं राजनीति से परिचित होंगे और महाकवि भवभूति के नाटक उत्तर रामचरित के माध्यम से श्री राम के जीवन के उत्तर भाग का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।

SEMESTER-3

CC10- विद्यार्थीगण इस पाठ्यक्रम में नाट्यशास्त्र के अंतर्गत चारों आचार्य द्वारा रस निष्पत्ति विषयक मत का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें साथ ही दशरूपक के माध्यम से नाटक के अंग, उसकी विधाएं, भेद, रंगमंच आदि के परिचय के साथ ही नायक के प्रकार,उसके गुण तथा नायिका के प्रकार और उसके गुण से भी अवगत हो सकेंगें।

CC11- काव्यशास्त्र के माध्यम से आचार्य अभिनव गुप्त के धन्यालोक के आधार पर काव्य की आत्मा ध्वनि, ध्वनि के भेद, उपभेद,सिद्धांत,काव्य के भेद, पद दोष,वाक्य गत दोष,रस दोष,काव्य के गुण, एवं अरस्तु के काव्यशास्त्र के माध्यम से काव्य के विषय में पाश्चात्य मत से साक्षात कराया जाएगा।

CC12- संस्कृत साहित्य के इतिहास के माध्यम से विद्यार्थीगण विभिन्न काव्य ,महाकाव्य आदि का अध्ययन, उसके उद्भव एवं विकास एवं पश्चात कवियों का परिचय और साथ ही संस्कृत निबंधों से उनका परिचय कराया जाएगा।

CC13 -इस पाठ्यक्रम में छात्रगण दार्शनिक विषयों के निबंध से अवगत होंगें साथ आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन से भी उनका परिचय होगा और आधुनिक विचारकों के जीवन का परिचय से भी वे अवगत हो पाएंगें।

CC14- पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण शोध पद्धति,शोध की क्रिया विधि, शोध परियोजना,अनुवाद लेखन,इंडेक्सिंग,प्रूफ्र रिडिंग आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।

SEMESTER-4

EC-I इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण पुराण,पुराण साहित्य का इतिहास रचना,विभिन्न प्रकार के पुराण और इसके अंतःकरण में स्थित सारगर्भित ज्ञान से अवगत हो सकेंगें।

EC-II इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण धर्म शास्त्र के इतिहास, धर्मशास्त्रीय ग्रंथों का निर्माण,काल,विषय आदि से परिचित होंगे साथ ही मनुस्मृति के माध्यम से सोलह संस्कार आदि से भी अवगत होंगें।

स्नातकोत्तर (संस्कृत) पाठ्यक्रम

PROGRAMME OUTCOME

स्नातकोत्तर स्तर के इस पाठ्यक्रम को भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्राचीन विरासत से अवगत कराने हेतु सक्षम बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम के अध्याय से भारतीयों के जीवन शैली और संस्कृति स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है साथ ही इसका स्पष्ट उद्देश्य यह है कि इसमें प्रत्येक को प्रेरणा प्राप्त हो साथ ही उसके जीवन का समुचित रूप से उत्थान हो एवं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक संबंधित सभी लोग का ध्यान अपने भारतीय सभ्यता संस्कृति एवं उसके विरासत की ओर आकृष्ट हो।

स्नातकोत्तर (संस्कृत) पाठ्यक्रम

COURSE OUTCOME

स्नातकोत्तर सेमेस्टर-1

CC-1 – वेद

- वैदिक सूक्तों के माध्यम से वैदिक देवताओं से विद्यार्थीगण परिचित होंगे।
- यजुर्वेद के शिवसंकल्प सूक्त के द्वारा विद्यार्थीगण मन के सामर्थ्यों से परिचित हो सकेंगे और इसके कल्याणकारी कार्यों से अवगत होकर स्वयं को प्रशिक्षित कर सकेंगें।
- निरुक्त के माध्यम से वेद के कठिन शब्दों को सुगमता से समझ सकेंगे और वेदों का ज्ञान लाभ प्राप्त कर सकेंगें।

CC-2 - दर्शन (वेदांत और योग)

- इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थीगण वेदांतसार के माध्यम से माया, विवर्त,अध्यास, अध्यारोप,एवं ब्रह्म आदि के ज्ञान से अवगत हो सकेंगें।
- पतंजलि के योगसूत्र के माध्यम से अष्टांग मार्ग का परिचय कराया जाएगा एवं इन अष्टांगिक मार्गो के द्वारा समाधि तक पहुंचाने के मार्ग का परिचय कराया जाएगा।
- इस पाठ्यक्रम के द्वारा दुःखत्रय, सत्कार्यवाद, पुरुषप्रकृति आदि का परिचय कराया जाएगा।

CC-3 -- व्याकरण

- सिद्धांतकौमुदी के माध्यम से सुबन्त, हलन्त आदि शब्द रूपों के सूत्रों एवं साधनिका तथा भ्वादिगण के सूत्रों एवं साधनिका की प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगें ।
- पस्पशाहिन्क महाभाष्य के माध्यम से शिक्षा, वर्ण उच्चारण आदि के ज्ञान से छात्रगण अवगत हो सकेंगें।

CC-4 -- काव्यशास्त्र

- काव्यशास्त्र के माध्यम से काव्य के लक्षण,प्रयोजन,हेतु,अलंकार, काव्य के भेद आदि का परिचय कराया जाएगा।
- विभिन्न काव्य शास्त्रियों के माध्यम से काव्य के लक्षणों से छात्रगण परिचित हो सकेंगें।

AECC-1 --पर्यावरण स्थिरता और स्वच्छ भारत अभियान गतिविधियां

- इस पाठ्यक्रम में छात्र सीखेंगे की सामान्य रूप से परिवेश की देखभाल कैसे करें।
- यह पाठ्यक्रम विद्यार्थी को पर्यावरण को स्वच्छ रखने के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाएगा।
- पर्यावरण के ज्ञान से छात्रगण परिचित हो सकेंगें।
- छात्रगण अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने के विषय में अवगत हो सकेंगें।

स्नातकोत्तर सेमेस्टर -2

CC-5 -- भाषा विज्ञान

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण भाषा शास्त्र के अध्ययनों के माध्यम से भाषा का वर्गीकरण, सिद्धांत, उत्पत्ति, परिभाषा एवं भारोपीय भाषा परिवार से अवगत हो सकेंगें।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रगण ध्वनि परिवर्तनों की दिशा,आकलन, प्रसार और संकोच एवं स्वर लोप आदि से परिचित हो पाएंगे।
- इसके माध्यम से विद्यार्थीगण ध्वनि नियमों से परिचित हो सकेंगे और ग्रिम्स,वर्नर और ग्रासमन के नियमों से भी अवगत हो सकेंगें।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से अर्थविज्ञान के सिद्धांत, उसका कारण,अर्थोत्कर्ष, अर्थोपकर्ष के ज्ञान से अवगत हो पाएंगे।

CC-6- पद्य काव्य

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से मेघदूत जैसे गीतिकाव्यों से परिचय कराया जाएगा।
- इस गीतिकाव्य के माध्यम से विद्यार्थीगण पर्यावरण के सौंदर्य से एवं कालिदास के अभूतपूर्व ज्ञान एवं भौगोलिक वर्णन के द्वारा रामगिरि आश्रम से अमरावती के मार्ग का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।
- महाकवि अश्वघोष द्वारा विरचित बुद्ध चरित महाभाष्य के द्वारा बुद्ध के जन्म आदि से संबंधित तथ्यों से परिचय कराया जाएगा।
- इस काव्य के माध्यम से जीवन से वैराग्य,मोह से निर्मोह जीवन दर्शन का जो अभूतपूर्व वर्णन महाकवि अश्वघोष ने जो किया है विद्यार्थीगण उसका परिचय प्राप्त कर सकेंगें।

CC-7 -- वैदिक साहित्य का इतिहास पाश्चात्य समालोचना एवं निबंध

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण चारों वेद का परिचय, वेदांगों का परिचय एवं ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् आदि ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण वैदिक विद्वानों का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।
- मैक्समूलर,मैकडोनेल,वेवर ब्लूमफील्ड,विल्सन,ग्रिफिथ, विंटरनित्ज,कीथ,रोथ के योगदान से अवगत हो सकेंगें।
- वैदिक निबंध में ब्रह्मसत्य जगत मिथ्या, वयम राष्टे पुरोहित जागृयाम:, आत्मा वा अरे द्रष्टव्या निबंधों के माध्यम से वैदिक निबंधों से परिचित हो सकेंगें।

CC-8 -- गद्य काव्य

- इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थीगण कादम्बरी गद्य काव्य से परिचित होंगें।
- बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम् , गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति आदि सूक्तियों के माध्यम से बाणभट्ट की उत्कृष्ट काव्य कला से अवगत हो पाएंगे।
- हर्षचरित के माध्यम से छठी शताब्दी के राजा श्रीहर्ष के जीवन परिचय,उनके कार्यकाल, राज्य के प्रति उत्तरदायित्व,उनके कर्तव्य आदि से परिचित हो सकेंगें।
- इस गद्य काव्य के माध्यम से महाकवि बाणभट्ट की उत्कृष्ट काव्य प्रतिभा का परिचय कराया जाएगा।

CC-9 -- रूपक

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण नाटक रूपक के अन्य विधाओं से परिचित हो सकेंगें।
- मृच्छकटिकम नाट्य विधा का एक भेद प्रकरण है इसके माध्यम से मृच्छकटिकम की कथा से एक निर्धन ब्राह्मण की उदार शीलता का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।
- मुद्राराक्षस के माध्यम से चाणक्य के कूटनीति एवं राजनीति का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।
- पाठ्यक्रम के माध्यम से यह ज्ञात हो सकेगा कि एक राज्य का शासन चलाने के लिए राजा एवं प्रधानमंत्री एवं राज्य के विभिन्न कर्मचारियों के क्या–क्या गुण होने चाहिए जिससे राज्य सुचारू रूप से उन्नति की ओर अग्रसर हो सके।
- इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थिगण महाकवि भवभूति के अद्वितीय नाटक उत्तर रामचरित के माध्यम से श्री राम के जीवन के उत्तर भाग का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।

SEC-1

यौगिक विज्ञान

- यौगिक विज्ञान के इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थीगण योग की परिभाषा से परिचित होंगे,योग्य विभिन्न विचारको जैसे पतंजलि, घेरंड,गौरक्ष आदि के विचारों से अवगत होंगें।
- भक्तियोग,ज्ञानयोग, राजयोग,हठयोग आदि के विषय में जानेंगें।
- यम, नियम,आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार, धारणा ,ध्यान, समाधि आदि अष्टांग योग के विषय में जानेंगें।
- उत्तम स्वास्थ्य के लिए यौगिक जीवन शैली को जानेंगें और बीमारी को दूर रखने के प्रबंध को योग के माध्यम से जानेंगें।
- योग से शरीर मन स्वास्थ्य आदि पर क्या–क्या प्रभाव पड़ता है इसके सूक्ष्म तकनीक को जानेंगें।
- विभिन्न प्रकार के आसनों के माध्यम से शरीर को स्वस्थ रखने के तरीकों से अवगत होंगें।
- यथा–पवनमुक्तासन,शवासन,मर्कटासन,सिद्धासन,त्रिकोणासन,ताड़ासन,वज्रासन,सिंहासन,शशांकासन, उष्ट्रासन,सूर्यनमस्कार आदि।

स्नातकोत्तर सेमेस्टर -3

CC-10 .. नाट्यशास्त्र

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से नाट्यशास्त्र का परिचय प्राप्त होगा।
- इसमें चारों आचार्य के द्वारा रस निष्पत्ति विषयक मत का खंडन–मंडन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।
- दशरूपक के माध्यम से नाटक के अंग, उसकी विधाएं,उसके भेद, रंगमंच आदि का परिचय कराया जाएगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से नायक के प्रकार, उसके गुण तथा नायिका के प्रकार उसके गुण आदि का परिचय प्राप्त कर सकेंगें।

CC-11-- काव्यशास्त्र

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से आचार्य अभिनवगुप्त के ध्वन्यालोक के आधार पर काव्य की आत्मा ध्वनि के विषय में अवगत हो सकेंगें।
- ध्वनिवादी आचार्य ध्वनि के भेद,उपभेद,ध्वनि के सिद्धांत आदि का परिचय कराया जाएगा।
- काव्यप्रकाश के छठे उल्लास के आधार पर काव्य के भेद, चित्रकाव्य का परिचय विस्तृत रूप से परिचय प्राप्त कर सकेंगें।
- सप्तम उल्लास के आधार पर काव्य दोष जैसे पद दोष,वाक्य गत दोष,समास गत दोष एवं रसदोष आदि का ज्ञान कराया जाएगा।
- अष्टम उल्लास के आधार पर काव्य के गुणों से परिचय कराते हुए माधुर्य गुण,ओज गुण और प्रसाद गुण से अवगत कराया जाएगा।
- अरस्तू के काव्यशास्त्र के माध्यम से काव्य के विषय में पाश्चात्य मत का अवलोकन कराया जाएगा।

CC-12-- संस्कृत साहित्य का इतिहास पाश्चात्य समालोचना एवं निबंध

- संस्कृत साहित्य के इतिहास के माध्यम से विद्यार्थीगण विभिन्न काव्य महाकाव्य आदि का अध्ययन कर सकेंगें।
- रामायण,महाभारत,महाकाव्य आदि नाटक,चंपूकाव्य,गीतिकाव्य आदि के उद्भव एवं विकास से परिचय कराया जाएगा।
- पाश्चात्य साहित्य के माध्यम से विद्यार्थीगण विभिन्न पाश्चात्य कवियों का परिचय प्राप्त कर पाएंगे।
- प्लेटो,अरस्तू,होरेस,लॉन्गिनस, थॉमस स्टुअर्ट, एलियट आइवर आर्मस्ट्रोंग,रिचडर्स इन पाश्चात्य विद्वानों का जीवन परिचय एवं योगदान से अवगत हो पाएंगे।
- इस पाठ्यक्रम में संस्कृत निबंधों से परिचय कराया जाएगा।
- भारवेरर्थगौरवम् ,अभिज्ञानशाकुंतलम् ,माघेसन्ति त्रयोगुणाः, बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम,छात्र जीवन योगदानम,प्रिय कवि आदि निबंधों से अवगत कराया जाएगा।

CC-13 -- भारतीय दर्शन का इतिहास और निबंध

- इस पाठ्यक्रम में दार्शनिक विषयों के निबंध से अवगत कराया जाएगा।
- ब्रह्मसत्यं जगत्मिथ्या, अहम् ब्रह्मोऽस्मि,तत्त्वमसि, आत्मा वा अरे द्रष्टव्या,वयं राष्ट्रे पुरोहिताः जागृयामः।
- इस पाठ्यक्रम में आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन से अवगत कराया जाएगा।
- इसमें छह आस्तिक दर्शन न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा और वेदांत दर्शन से परिचय करवाया जाएगा। वही नास्तिक दर्शन के अंतर्गत चार्वाक, जैन,बौद्ध दर्शन से भी अवगत कराया जाएगा।
- पाठ्यक्रम में आधुनिक विचारको के जीवन का परिचय करवाया जाएगा।
- इसके अंतर्गत रामकृष्ण परमहंस जैसे आध्यात्मिक गुरु अरविंदो विवेकानंद और सर्वपल्ली राधाकृष्णन के केवल दार्शनिक विचारों से विद्यार्थीगण को परिचय करवाया जाएगा।

CC-14-- शोध पद्धति और अनुवाद

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से शोध पद्धति से अवगत कराया जाएगा।
- इसमें पांडुलिपि विज्ञान से अवगत कराया जाएगा।
- इसमें छात्र शोध की क्रियाविधि सीखेंगें।
- छात्र शोध परियोजना का प्रारूप निर्माण करना सीखेंगे।
- इस पाठ में छात्रगण अनुवाद लेखन की क्रिया से अवगत हो पाएंगे।
- विद्यार्थीगण इंडेक्सिंग,प्रूफ रीडिंग आदि का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।

AECC-2 -- मानवीय मूल्य और पेशेवर नैतिकता

- इस पाठ्यक्रम के तहत नैतिक मुद्दों की विविधता, नैतिकता और नैतिकता के सिद्धांत से अवगत होंगे।
- छात्र समाज में सद्भाव को समझना, ईमानदारी, आत्मविश्वास नैतिकता,के उपसमुच्चय के रूप में नैतिकता से अवगत हो पाएंगे।
- विद्यार्थीगण भेदभाव और पूर्व न्यायिक कर्मचारी व्यवहार प्रकृति में सद्भाव को समझना एवं मानवीय मूल्यों की प्रकृति से परिचित हो सकेंगें।
- इसमें विद्यार्थी जोखिम लाभ विश्लेषण अधिकार का सम्मान व्यावसायिक अधिकार बौद्धिक संपदा अधिकार आदि से परिचित हो सकेंगें।
- इसमें विद्यार्थी पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन, सार्वभौमिक मानव व्यवस्था को बढ़ाने के लिए व्यवसायिक क्षमता एवं विशिष्ट समग्र प्रौद्योगिकी आदि प्रबंधन से वे अवगत हो सकेंगें।
- विद्यार्थीगण लिंग परिभाषा प्रकृति और विकास संस्कृति परंपरा श्रम का लिंग आधारित विभाजन आदि से परिचित हो सकेंगें।
- छात्र न्याय और मानव अधिकार लिंग संवैधानिक और कानूनी दृष्टिकोण लिंग उभरते हुए मुद्दे और चुनौतियों से अवगत हो सकेंगें।

स्नातकोत्तर सेमेस्टर -4

EC-1 .. पुराण

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण पुराण से परिचित हो सकेंगें।
- छात्र श्रीमद्भागवत पुराण, शिवपुराण, देवीभागवत पुराण, अग्नि पुराण आदि से परिचित हो सकेंगें।
- विद्यार्थीगण इन पुराणों में स्थित सारगर्भित ज्ञान से अवगत हो सकेंगें।
- विद्यार्थीगण पुराण साहित्य का इतिहास रचना विभिन्न पुराण आदि से अवगत हो सकेंगें।

EC-2 -- धर्म शास्त्र

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण धर्मशास्त्र के इतिहास से परिचित होंगें।
- इसके अंतर्गत वे सभी विद्यार्थीगण प्रमुख धर्म शास्त्रीय ग्रंथों का निर्माण काल,विषय वस्तु अस्पृश्यता,दासप्रथा,संस्कार,उपनयन, आश्रम विवाह ,सती प्रथा,पंचमहायज्ञ, दान,वानप्रस्थ, यज्ञ आदि के ज्ञान से परिचित होंगें।
- मनुस्मृति के माध्यम से 16 संस्कारों आदि से विद्यार्थीगण परिचित होंगें।

GE

मानवाधिकार

- मानव अधिकार के इस पाठ्यक्रम में मानवों के क्या–क्या अधिकार है इसके विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थीगण अवगत होंगें।
- मानव अधिकार के अर्थ एवं अवधारणा से अवगत होंगे मानव अधिकार प्राकृतिक अधिकार,सिविल अधिकार,राजनीतिक अधिकार और कानून अधिकार आदि इन सब से परिचय होगा।
- मैग्नाकार्टा,स्वतंत्रता से पूर्व मानवीय अधिकारों, बिल राइट्स, जेनेवा कन्वेंशन के विषय में जानेंगें।
- कार्य स्थल पर प्रयोग किए जाने वाले मानवाधिकार पेशेवर मानवाधिकार आदि से अवगत होंगें।

(D.K.Vishwakarma)
Member of IQAC,Dept.of Sanskrit
GD College, Begusarai

(Dr.Shashikant Pandey)
HOD,Department of Sanskrit
GD College, Begusarai